विमर्श | इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र रांची क्षेत्रीय शाखा की ओर से व्याख्यान का आयोजन

धर्म के आधार पर राष्ट्र नहीं बनता : वेनिना

जागरण संवाददाता, रांची : ओरिएंटल स्टडीज संस्थान, मास्को की प्रो इव्हजेनिया वेनिना ने कहा कि राष्ट्र पर बात करने से पहले यह जानना जरूरी है कि इतिहास हमारे वर्तमान को कैसे प्रभावित करता है। इसे पद्मावती प्रकरण को देख कर समझ सकते हैं। घटना कब की, फिल्म आज बनी और फिर हम अतीत को लेकर सड़क पर उतर गए। इतिहास वह शीशा है, जिसमें हम झांक कर खुद को देखना चाहते हैं। वे सोमवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची क्षेत्रीय शाखा और रांची विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित 'राष्ट्र और उसका इतिहास : भारतीय अनुभव और व्याख्या' विषय पर बोल रही थीं। आयोजन शहीद स्मृति सभागार, केंद्रीय पुस्तकालय में किया गया था।

उन्होंने कहा, इतिहास में हम नेशन, राष्ट्र, देश की अलग-अलग परिभाषा देखते हैं। यूरोप के लिए इसका अलग अर्थ, अमेरिका के लिए अलग, ग्रीक के लिए अलग। यूरोप में तो नेशन स्टूडेंट यूनियन के लिए प्रयोग किया जाता है। लेकिन एक अमेरिकी स्कॉलर ने इसकी व्यापक परिभाषा अपनी पुस्तक इमैजन कम्युनिटी में दी। यानी, ह्यूज कम्युनिटी, जिसमें भाषा, संस्कृति, जीवन शैली में समानता हो। धर्म के आधार पर नेशन नहीं बनते। पाकिस्तान बना। उसका हाल देखिए। एक धर्म के लोग एक साथ नहीं रह सके और बांग्लादेश एक अलग राष्ट्र बना। राष्ट्र के निर्माण में यह जरूरी है कि एक बड़ा समुदाय किसी को नायक माने और किसी को खलनायक।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में इतिहास सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रमेश कुमार पांडेय ने कहा कि इस तरह का आयोजन होना चाहिए। अगली बार से इस तरह का आयोजन आर्यभट्ट सभागार में होगा, ताकि अधिक से अधिक छात्र शामिल हो सकें। व्याख्यान की अध्यक्षता डॉ. आईके चौधरी ने किया। उन्होंने भी राष्ट्र की प्राचीन अवधारणा के बारे में बताया। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव एस के सथपति ने भी अपने उद्गार व्यक्त किए। कला केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ.बच्चन कुमार ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन सुमेधा सेनगुप्ता ने किया। कार्यक्रम में प्रो गिरिधारी राम गौंझू, असित कुमार, डॉ. हरेंद्र प्रसाद सिन्हा, डॉ. जंगबहादुर पांडेय सहित इतिहास और हिंदी विभाग के विद्यार्थी भी मौजूद थे।

कौन हैं प्रो वेनिना

प्रो. इव्हजेनिया वेनिना सेंटर फॉर इंडियन स्टडीज, इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज, मॉस्को की शोधकर्ता हैं। उन्होंने रूसी और अंग्रेजी दोनों में पुस्तकों की रचना की, जिनमें से कुछ हैं ' आइडियाज एंड सोसाइटी इन इंडिया : सिक्सटींथ टू ऐटींथ सेंचुरी', 'अर्बन क्राफ्ट्स एंड क्राफ्ट्समेन इन मिडिवल इंडिया', 'मिडिवल इंडियन माइंडस्केप्स : स्पेस, टाइम, सोसाइटी', 'मैन एंड मैनी पेपर्स ऑन द मीडिवल एंड कोलोनिअल हिस्ट्री ऑफ इंडिया।

आपकी रांची बेहद साफ और खूबसूरत है..

रांची : ओरिएंटल स्टडीज संस्थान, मास्को की प्रो. इव्हजेनिया वेनिना रांची पहली बार आई थीं। जगन्नाथ मंदिर की खूबसूरती देखी। टैगोर हिल से रांची को निहारा। जनजातीय संग्रहालय में आदिवासी जीवन से रूबरू हुईं। वेनिना ने कहा, रांची बहुत खूबसूरत है। इतनी खूबसूरत कि यह दिल्ली से भी साफ-सुथरी है। पुरानी दिल्ली का तो हाल ही न पूछिए। यदि किसी को सजा देनी हो तो उसे जेल में बंद मत करो, पुरानी दिल्ली भेज दो...पर रांची तो बहुत अच्छी है। जनजातीय संग्रहालय भी बहुत अच्छा है। कई जानकारियां यहां मिलती हैं। एक सवाल के जवाब में कहा कि आदिवासी जीवन से सीखना चाहिए। बड़े-बड़े हाईवे, रोड, बिल्डिंगें विकास का पैमाना नहीं हैं। माउस चला लेना विकास नहीं है। जो लोग यह जानते हैं, वह खुद को समझते हैं कि वे बहुत ज्ञानी और विकसित हैं, लेकिन वे जंगलों में आ जाएं तो उनका पूरा ज्ञान धरा रह जाएगा।

1. Dainik Jagran-13-02-18

the pioneer

IGNCA holds lecture on 'nation and its history'

PNS ■

Indira Gandhi National Centre for the Arts, Ranchi Regional Centre (IGNCA Ranchi) and Ranchi University organised a lecture on the topic 'the Nation and its History: Indian Experiences and Interpretation' by Prof. Evgeniya Vanina of Centre for Indian Studies, Institute of Oriental Studies, Moscow, Russia on Monday. The lecture was organised at Saheed Smriti Sabhaghar, Central Library Building, Morabadi, Ranchi where Prof. (Dr.) Ramesh Kumar Pandey, Vice Chancellor, Ranchi University, graced the occasion as the chief guest. The lecture was presided over by Dr. I. K. Chaudhary, Dean, Faculty of Social Sciences, Ranchi University.

Prof. Vanina is a well-known historian specialized in Medieval History. She is an exponent author has produced a number of books both in Russian and English namely. "Ideas and Society in India, Sixteenth to Eighteenth Century', 'Urban Crafts and Craftsmen in Medieval India', 'Medieval Indian Mindscapes: Space, Time, Society, Man' and many research papers on the medieval and colonial history of India.

The lecture by Prof. Vaninawas dedicated to nation and its adjustments with its historical past. She spoke about how history plays the most crucial role when it comes to nation-building, as it serves as a consolidation base with a number of heroes and villains on which the majority agrees, with the events of the past that almost all people estimate in a similar way.

Prof. Evgeniya Vanina of Centre for Indian Studies, Institute of Oriental Studies, Moscow, Russia during a lecture on 'The Nation and its History: Indian Experiences and Interpretation' at Central Library in Ranchi on Monday. Pics by PNS

India, as an ancient culture and, paradoxically, is a rather young nation and state, experienced many problems and conflicts in its encounters with its past.

The country is heterogeneous with respect to its ethnicity, society and culture and there are various interpretations of its history. She has brought to light how the diverse historical interpretations served the national unity.

"The narration of Indian ancient history has its roots in the age of Vedas. The Rig Veda has the indication of the word raashtra even before it came to any political usage."

Dr. I.K. Chaudhary expressed his pleasure for being a part of this lecture. He said, "The narration of Indian Ancient History has its roots in the age of Vedas. The Rig Veda has the indication of the word raashtra even before it came to any political usage."

He congratulated Prof. Vanina for conducting her research so religiously within India and spreading her interpretations through the lecture.

Dr. R.K Pandey applauded the efforts of Russia and highlighted on Russia's contribution towards India. He was impressed by the speaker's address in Hindi language.

Principal Secretary to Governor SK Satpathy graced the occasion and was opined to be present on the same. He wished IGNCA, RRC best for the future and promised to be a part of such constructive lectures in future.

A large number of Professors, scholars, researchers, and students attended the lecture, asked the questions and presented their remarks on the subject.

Dr. Bachchan Kumar, Regional Director, IGNCA, RRC welcome the speaker Prof. Evgeniya Vanina, the honoured guests andl the spectators who were present on the occasion.

सेंट्रल लाइब्रेरी में राष्ट्र और उसके इतिहास विषय पर व्याख्यान का आयोजन

राष्ट्र के निर्माण में इतिहास का महत्वपूर्ण योगदान होता है : प्रो इवजेनिया वेनिना

संवाददाता

रांची। इतिहास एक शीशा है, जिसमें समाज अपनी तस्वीर देखना चाहता है। इसका किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिए इतिहास से कुछ अच्छी चीजें निकालनी चाहिए। इतिहास में नायक और खलनायक दोनों होते हैं। उसमें हमें अपनापन और अपना होने का भाव होना चाहिए। यह बातें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र रांची क्षेत्रीय शाखा और रांची विश्वविद्यालय रांची की ओर से सेंट्रल लाइब्रेरी में आयोजित व्याख्यान में सेंटर फॉर इंडियन स्टडीज, इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज मास्को की शोधकर्ता प्रोफेसर इवजेनिया वेनिना ने अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है लोग इतिहास की बातों को लेकर हिंसा फैलाते हैं। एक-दूसरे से झगड़ा करते

हैं। लगता है उनके पास काम ही नहीं है। इसके सिवा उनके आस-पास कुछ भी समस्या नहीं है।

प्रो वेनिना ने कहा कि राजनीति करने वाले अक्सर इतिहास की बातों को लेकर राजनीति करते रहते हैं। इससे राष्ट्र का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति बहुत प्राचीन है। विडंबना ये है कि भारत युवा राष्ट्र है और राज्य में कई समस्याएं हैं। व्याख्यान का विषय था राष्ट्र और उसके इतिहास : भारतीय अनुभव। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय ने कहा कि भारत और रूस के संबंध पहले से ही अच्छे रहे हैं। आजादी से पहले और आजादी के बाद भी दोनों के बीच संबंध अच्छा है और आगे भी रहेगा। सामाजिक संकाय के डीन डॉ आईके चौधरी ने कहा कि राष्ट्र का उल्लेख ऋग्वेद काल में भी रहा।

मौके पर इंदिरा गांधी कला केंद्र रांची के निदेशक डॉ बच्चन कुमार, डॉ गिरिधारी राम गौंझू, महादेव टोप्पो, पद्मश्री मुकुंद नायक, हरेंद्र सिन्हा, डॉ जंग बहादुर पांडेय, विद्यानाथ झा उदित, प्रोफेसर, विद्वानों, शोधकर्ता और छात्र उपस्थित थे।

Tue, 13 February 2018
www.readwhere.com/read//c/26215834

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र व रांची विवि के तत्वावधान में व्याख्यान

किसी भी राष्ट्र के निर्माण में उसका इतिहास महत्वपूर्ण है : प्रो वेनिना

मुख्य संवाददाता @ रांची

सेंटर फॉर इंडियन स्टडीज, इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज, मॉस्को की शोधकर्ता प्रो इव्जेनिया वेनिना ने कहा है कि किसी राष्ट्र के निर्माण में उसका इतिहास महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यह एक समायोजित आधार के रूप में कार्य करता है. प्रो वेनिना सोमवार को इंदिरा गांधी कला केंद्र रांची शाखा व रांची विवि के संयुक्त तत्वावधान में मोरहाबादी स्थित शहीद स्मृति भवन में बोल रही थीं. विषय था राष्ट्र और उसके इतिहास पर व्याख्यान : भारतीय अनुभव और व्याख्या. प्रो वेनिना ने कहा कि भारत एक प्राचीन संस्कृति है. विडंबना यह है कि एक युवा राष्ट्र और राज्य में, कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है. इसके मुकाबले इसके अतीत के साथ संघर्ष होता है. देश अपनी जातियता, समाज और संस्कृति के संबंध में जाना जाता है. यहां अलग-अलग स्थिति है. इसके इतिहास की विभिन्न व्याख्याएं हैं.

कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय ने कहा कि रूस आजादी के पहले से ही भारत के साथ रहा है. अभी भी वे हमें हर विषयों पर मदद और साथ दे रहा है. प्रो वेनिना रूस की रहनेवाली हैं. इसके बावजूद उन्होंने भारत की मातृभाषा हिंदी में अपनी बातें रखीं. यह हमारे लिए गर्व की बात है. कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन डॉ आइके चौधरी ने की. राज्यपाल के प्रधान सचिव एसके सत्पथी ने भी अपने विचार रखे. धन्यवाद ज्ञापन केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ बच्चन कुमार ने किया.

व्याख्यान को संबोधित करतीं मॉस्को की शोधकर्ता प्रो इव्जेनिया वेनिना और साथ में वीसी डॉ रमेश पांडेय.

प्रभात खबर Tue, 13 February 2018
epaper.prabhatkhabar.com//c/26215683